No official in this case has been suspended so far as the Board of Directors in the NCCF decided for further action after receipt of Report from the CBI.

सुपर बाजार की वित्तीय स्थिति

7569. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली स्थित सुपर बाजार की वित्तीय स्थिति निरन्तर खराब होती जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) सुपर बाजार द्वारा प्रतिवर्ष योजना-वार और कर्मचारियों पर कितनी धनराशि खर्च की जा रही है ;

(घ) प्रबंधन समिति द्वारा वित्तीय घाटे को पूरा करने के लिए और फिजूल खर्ची को रोकने के लिए क्या-क्या ठोस कदम उठाये गये हैं ; और तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ; और

(ङ) यदि नही, तो उसके क्या कारण हैं ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) जी, नहीं । इसकी बिक्री 1991-92 के 9784.01 लाख रुपए से बढ़कर 1993–94 में 11520.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है और इसका शुद्ध लाभ 1991–92 के 9.33 लाख रुपए से बढ़कर 1993–94 में 41.65 लाख रुपये हो गया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता है ।

(ग) गत दो वर्षों के दौरान विभिन्न शीर्षों पर, सुपर बाजार द्वारा यथासूचित व्यय निम्नवत है :—

(लाख रुपए में)

	1992–93	1993–94
स्थापना	741.06	825.21
ब्याज	20.36	30.02
किराया	33.38	29.87
प्रशासकीय व्यय	149.07	189.98

(घ) और (ङ) चूंकि सुपर बाजार को गत कई वर्षों से वित्तीय हानि नहीं हुई है, अतः प्रश्न नहीं उठता है ।

खाद्य तेल

7570. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या **नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993–94 के दौरान देश में खाद्य तेलों का अनुमानतः कितना उत्पादन, आयात, निर्यात हुआ और उनकी कितनी खपत हुई ;

(ख) वर्ष 1993–94 के दौरान खाद्य तेलों के आयात-निर्यात पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गयी ;

(ग) देश में 1 अप्रैल, और 31 दिसम्बर, 1993 को खाद्य तेलों का भंडार कितना था; और

(घ) आयातित खाद्य तेल की लागत, बीमा भाड़ा लागत और निर्यात किये जाने वाले खाद्य तेल का निःशुल्क नौभार प्रभारों और इसका देश में औसत मूल्य कितना है ?